'Krishak Kritagyata Diwas' celebrated at CUH

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: The Homepages **Date: 08-08-2025**

CUH observes Krishak Kritagyata Diwas

MAHENDRAGARH (HPC) - Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh commemorated the 100th birth anniversary of Bharat Ratna Dr. M. S. Swaminathan—revered as the Father of the Green Revolution—by celebrating Krishak Kritagyata Diwas with great fervor and gratitude.

The event began with a brief introduction by Prof. Rupesh Deshmukh, highlighting the significance of observing this day annually to honour farmers and their invaluable contribution to the nation. The program commenced with the university Kulgeet, followed by welcome remarks from Prof. Sunita Srivastava, President of the Institution Innovation Council (IIC), CUH.

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 08-08-2025**

डॉ. एमएस स्वामीनाथन की जयंती मनाई गई

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में हरित क्रांति के जनक कहे जाने वाले भारत रत्न डॉ. एमएस स्वामीनाथन की 100 वीं जयंती को कृषक कृतज्ञता दिवस के रूप में मनाया। विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए 10 गांवों एवं अन्य गांवों के सरपंच, कृषकों को सम्मानित किया गया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने किसानों की चुनौतियों को समझने और व्यावहारिक समाधान विकसित करने के लिए उनके साथ मिलकर काम करने वाले वैज्ञानिकों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। । सरपंचों में खुडाना की सरपंच अंजू तंवर, पाली के सरपंच देशराज सिंह, गढ़ी के सरपंच कर्मबीर सैनी, बास खुडाना के सरपंच रतन सिंह, धौली के सरपंच अमित आदि शामिल थे। संवाद

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 08-08-2025**

डॉ. स्वामीनाथन की 100वीं जयंती पर कृषक सम्मानित

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में हरित क्रांति के जनक भारत रत्न डॉ. एमएस स्वामीनाथन की 100वीं जयंती कृषक कृतज्ञता दिवस के रूप में मनाई गई। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए 10 गांवों सहित अन्य गांवों के सरपंचों और किसानों को सम्मानित किया गया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने किसानों की समस्याओं को समझने और समाधान खोजने में वैज्ञानिकों की भूमिका को अहम बताया। उन्होंने कहा कि इस प्रयास का उद्देश्य किसानों की आय को दोगुना करना है। उन्होंने डॉ. स्वामीनाथन के योगदान को याद करते हुए कहा कि यह विश्वविद्यालय किसानों के प्रति कृतज्ञता जताने वाला एक अनूठा संस्थान है।

कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी कार्यक्रम में नहीं आ सके। उन्होंने संदेश भेजकर विश्वविद्यालय को बधाई दी।

कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्ज्वलन और कुलगीत से हुई। इसके बाद प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने स्वागत भाषण दिया। प्रो. रूपेश देशमुख ने डॉ. स्वामीनाथन का परिचय दिया। कुलपति ने सरपंचों और प्रगतिशील किसानों को पारंपरिक पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया। सम्मानित सरपंचों में खुडाना की अंजू तंवर, पाली के देशराज सिंह, गढ़ी के कर्मबीर सैनी, बास खुडाना के रतन सिंह, धौली के अमित और बसई के भगत सिंह शामिल रहे।

मुख्य अतिथि हरियाणा गो सेवा आयोग के अध्यक्ष श्रवण कुमार गर्ग ने गोशालाओं के अनुभव साझा किए। उन्होंने गो आधारित अर्थव्यवस्था को टिकाऊ कृषि के लिए जरूरी बताया। पारंपरिक कृषि पद्धतियों को अपनाने पर जोर दिया। विशिष्ट अतिथि जल शक्ति मंत्रालय के संयुक्त निदेशक मोहित वर्मा ने जैविक खेती और जल संरक्षण को बढ़ावा देने की बात कही। कार्यक्रम का समापन स्थानीय किसानों के अभिनंदन, डॉ. नम्रता ढाका के धन्यवाद ज्ञापन और राष्ट्रगान के साथ हुआ। डॉ. सुनील अग्रवाल ने आयोजन में समन्वय की भूमिका निभाई।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 08-08-2025**

कृषकों के प्रति कृतज्ञता जाहिर करने वाला हकेंवि है अनूठा संस्थान : टंकेश्वर कुमार

संवाद सहयोगी, जागरण ● महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में हरित क्रांति के जनक कहे जाने वाले भारत रत्न डा. एमएस स्वामीनाथन की 100वीं जयंती को बड़े उत्साह और कृतज्ञता के साथ कृषक कृतज्ञता दिवस के रूप में आयोजित किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए 10 गांवों एवं अन्य गावों के सरपंच एवं कृषकों को सम्मानित किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस अवसर किसानों की चुनौतियों को समझने और व्यावहारिक समाधान विकसित करने के लिए उनके साथ मिलकर काम करने वाले वैज्ञानिकों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इस प्रयास का अंतिम लक्ष्य किसानों की आय को दोगुना करना है। उन्होंने भारतीय कृषि में बदलाव लाने व खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने में डा. स्वामीनाथन की विरासत को भी स्वीकार किया। प्रो. टंकेश्वर ने कहा कि कृषकों के प्रति अपनी कृतज्ञता जाहिर करने वाला हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय एक अनूठा संस्थान है।

कृषक कृतज्ञता दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में स्थानीय सरपंचों व कृषकों के साथ कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व अन्य● सौ: हकेंवि

मुख्य अतिथि कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री, भारत सरकार भागीरथ चौधरी इस कार्यक्रम में व्यक्तिगत रूप से शामिल नहीं हो सके, लेकिन उन्होंने इस सार्थक समारोह के आयोजन के लिए विश्वविद्यालय को बधाई दी। उन्होंने किसान कल्याण के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई और शिक्षा जगत और कृषि समुदाय के बीच संबंध मजबूत करने में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रयासों की सराहना की।

कार्यक्रम का शुभारंभ कुलगीत से हुआ। फिर विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल की अध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने स्वागत भाषण दिया। इस मौके पर प्रो. रूपेश देशमुख ने हरित क्रांति के जनक माने जाने वाले भारत रत्न डा. एमएस स्वामीनाथन के संक्षिप्त परिचय दिया, जिसमें उन्होंने किसानों और राष्ट्र के प्रति उनके अमूल्य योगदान और उनके सम्मान में प्रतिवर्ष इस दिवस को मनाने के महत्व पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि हरियाणा गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष, श्रवण कुमार गर्ग ने गोशालाओं के साथ अनुभव साझा किए और टिकाऊ कृषि को बढ़ावा देने में गौ-आधारित अर्थव्यवस्था की क्षमता पर बात की।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Navodaya Times **Date: 08-08-2025**

कृषकों को समर्पित विश्वविद्यालय की पहल, मनाया गया कृषक कृतज्ञता दिवस

जल शक्ति मंत्रालय, गौ सेवा आयोग व अन्य संस्थानों के अतिथियों ने कृषि सुधारों और योजनाओं पर प्रकाश डाला

महेंद्रगढ़, 7 अगस्त (मोहन, परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में हरित क्रांति के जनक कहे जाने वाले भारत रत्न डा. एम. एस. स्वामीनाथन की 100वीं जयंती को बड़े उत्साह और कृतज्ञता के साथ कृषक कृतज्ञता दिवस के रूप में आयोजित किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए 10 गांवों एवं अन्य गावों के सरपंच एवं कृषकों को सम्मानित किया गया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस अवसर किसानों की चुनौतियों को समझने और व्यावहारिक समाधान विकसित करने के लिए उनके साथ मिलकर काम करने वाले वैज्ञानिकों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इस प्रयास का अंतिम लक्ष्य किसानों की आय को दोगुना करना है। उन्होंने भारतीय कृषि में बदलाव लाने और खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने में डा. स्वामीनाथन की विरासत को भी स्वीकार किया। प्रो. टंकेशवर ने कहा कि कृषकों के प्रति अपनी कृतज्ञता जाहिर करने वाला हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय एक अनूठा संस्थान है।

कार्यक्रम में सम्मानित स्थानीय सरपंचों व कृषकों के साथ सम्मानित अतिथि, कुलपति प्रो.टंकेशवर कुमार व अन्य।

मुख्य अतिथि माननीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री, भारत सरकार भागीरथ चौधरी इस कार्यक्रम में व्यक्तिगत रूप से शामिल नहीं हो सके, लेकिन उन्होंने इस सार्थक समारोह के आयोजन के लिए विश्वविद्यालय को बधाई देते हुए एक हार्दिक संदेश भेजा। अपने संदेश में उन्होंने किसान कल्याण के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई और शिक्षा जगत और कृषि समुदाय के बीच संबंध मजबूत करने में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रयासों की सराहना की।

कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्जवलन सहित विश्वविद्यालय कुलगीत से हुआ, जिसके बाद विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल (आईआईसी) की अध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने स्वागत भाषण दिया। कार्यक्रम में प्रो. रूपेश देशमुख ने हरित क्रांति के जनक माने जाने वाले भारत रत्न डा.एम. एस. स्वामीनाथन के संक्षिप्त परिचय दिया, जिसमें उन्होंने किसानों और राष्ट्र के प्रति उनके अमूल्य योगदान और उनके सम्मान में प्रतिवर्ष विश्वविद्यालय में इस दिवस को मनाने के महत्व पर प्रकाश डाला।

मुख्य अतिथि, हरियाणा गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष, श्रवण कुमार गर्ग ने गौशालाओं के साथ अपने व्यापक अनुभव साझा किए और टिकाऊ कृषि को बढ़ावा देने में गौ-आधारित अर्थव्यवस्था की क्षमता पर बात की। उन्होंने पारंपरिक प्रथाओं पर प्रकाश डाला और भारतीय विरासत में निहित पर्यावरण-अनुकूल, समग्र कृषि मॉडल अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया।कार्यक्रम में विशिष्ठ अतिथि, श्री मोहित वर्मा, आई.ई.एस., संयुक्त निदेशक, जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार ने किसानों को समर्थन देने के उद्देश्य से विभिन्न सरकारी पहलों पर विस्तार से बताया। उन्होंने विशेषकर जैविक खेती और जल संरक्षण को बढ़ावा देने पर बल दिया।

उन्होंने युवाओं और शोधकर्ताओं को भारत के कृषि-पारिस्थितिकी तंत्र में सक्रिय रूप से योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया।प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने विश्वविद्यालय की चल रही वार्षिक प्रतिज्ञा - 'संकल्प' - के बारे में जानकारी दी, जिसका उद्देश्य समुदायों में जागरूकता फैलाना और उन्हें टिकाऊ और जैविक कृषि पद्धतियों के बारे में संवेदनशील बनाना है।कार्यक्रम का समापन सभी गणमान्य व्यक्तियों द्वारा स्थानीय किसानों का अभिनंदन, डॉ. नम्रता ढाका द्वारा धन्यवाद ज्ञापन और राष्ट्रगान के साथ हुआ, जिसने कृतज्ञता, स्थिरता और सहयोग का एक सशक्त संदेश दिया।